वे स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय को यह बताएं कि 15 रोगियों के उपचार के लिये भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् को औषधों की सप्लाई के लिए उन्हें कम से कम कितने धन की आवश्यकता है। उनसे अपने प्रस्ताव का आयुर्वेद साहित्यिक आधार बताने का अनुरोध किया गया था। उन्होंने अभी तक अपेक्षित सूचना नहीं भेजी है।

राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित की गई विचार-गोष्ठी

2223. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और विकास अध्ययन संस्थान द्वारा हाल ही में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि इस विचार गोष्ठी में यह विचार व्यक्त किया गया था कि कृषि क्षेत्र को छोड़कर, बाकी बचे क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, फैली गरीबी का उन्मूलन करने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सफल नहीं हो पाई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त विचार गोष्ठी में इस आशय की भी कतिपय सिफारिश पेश की गई थीं कि गरीबी उन्मूलन के कार्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभावशाली ढंग से प्रयोग किया जा सकता है;

(घ) यदि हां, तो ये सिफारिशें क्या-क्या थीं ;

(ङ) क्या सरकार द्वारा इन सिफारिशों के आधार पर किसी कार्यक्रम को क्रियान्वित किए जाने के बारे में कोई निर्णय लिया गया है; और

(च) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रानिकी और अंतरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के० आर० नारायणन्) : (क) और (ख) दिनांक 1 नवम्बर से 3 नवम्बर, 1988 तक इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइंस इंस्टिट्यूशन्स द्वारा नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाईड एकोनॉमिक रिसर्च, नई दिल्ली में आयोजित किये गये वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, और सामाजिक वैज्ञानिकों की विचारगोष्ठी में पढ़े गये पेपरों में से एक में यह विचार व्यक्त किया गया कि केवल कृषि के क्षेत्र को छोड़कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न मंत्रालयों के कार्यक्रमों में ग्रामीण जन संख्या के मात्र एक छोटे हिस्से को ही-अब तक दायरे में लिया गया है।

(ग) और (घ) अन्य बातों के साथ ही साथ निम्नलिखित आवश्यकता पर जोर देते हुए कतिपय सुझाव इस संबंध में विचार-गोष्ठी में रखे गये :-

(1) जो संस्थान वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान में रत हैं, उनमें से अधिकांश के ढांचे के अंतर्गत अलग ग्रामीण अनुभागों/इकाईयों का सृजन करना।

(2) ग्रामीण क्षेत्रों में रुचि और चिंतन रखने वाले वैज्ञानिकों के कोर कैडर स्थापित करना जो ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने के लिये गहन रूप से प्रोत्साहित किए जाएंगे।

(3) प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के प्रभावकारी उपकरण के रूप में और जो अनुसंधान हाथ में लेते हैं और जो अपनी नैसर्गिक अवस्थाओं के अंतर्गत अनुसंधान के परिणामों को लागू करते हैं, उन लोगों के मध्य संबंधों के रूप में सक्षम और स्वैच्छिक एजेन्सियों को मजबूत करना और विकास करना।

(4) आवश्यकता के स्तर के लिये अधिक उन्नत और व्यवस्थित प्रौद्योगिकियों को लागू करने और आत्मसात (अंगीकार) करने के लिये सर्वहारा वर्ग में कौशल और क्षमता को बढ़ाना।

(ङ) और (च) सामान्य सूचना के लिये अधिकाधिक प्रचार हेतु संस्तुतियां स्वरूप में केवल सुझाव थीं। तथापि, सरकार ग्रामीण क्षेत्र की समस्याओं से परिचित है और ग्रामीण क्षेत्र के लाभ के लिये पहले ही बहुत से उपाय, योजनाएं और मिशन प्रारंभ किये गये हैं। राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी ढांचा पूर्णरूप से इन कार्यक्रमों में संलग्न है।

"ट्रेडिशनल हैल्थ केयर स्टेप्स यूजफुल" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार

2224. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 28 फरवरी, 1989 के 'टाइम्स आफ इंडिया' में "ट्रेडिशनल हैल्थ केयर स्टेप्स यूजफुल" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार देश में इस दिशा में कदम उठाने के लिए ईस प्रकार की किसी योजना पर विचार कर रही है; यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में समग्र स्वास्थ्य प्रदान करने की प्रणाली में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों और होम्योपैथी के महत्व पर बल दिया गया है। इसमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति के साथ स्वास्थ्य परिचर्या में समन्वित दृष्टिकोण से भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी के चिकित्सकों की विशालतम संख्या (लगभग 4 लाख) का पर्याप्त उपयोग करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

उपर्युक्त नीति के अनुसरण में राज्य सरकारों के समय समय पर प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या, परिवार कल्याण और अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्योपैथी के चिकित्सकों को पूरी तरह से शामिल करने के लिए कार्यक्रम/स्कीमें चलाने का अनुरोध किया गया है।

2225. [*Transferred to the 18th March*, 1989.]

Controversy on use of anti-RHD Vaccine

2226. SHRIMATI KANAK MUKHERJEE:
SHRI M. A. BABY:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government are planning to refer the controversy generated from the use of the anti-RHD vaccine to an expert Committee to know everything about the vaccine and its effect on human bodies; and

(b) if so, whether arguments put forward by the AIIMS, New Delhi and the Maharashtra Food and Drug Administration on the subject would also be subjected to scrutiny?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY